



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिपक्ष से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

पृ० 5]
No. 5]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 4, 1995/मग 15, 1916
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 4, 1995/MAGHA 15, 1916

इस भाग में बिना पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (III)
PART II—Section 3—Sub-section (III)

केन्द्रीय अधिकारियों (केन्द्रीय राज्य सेवा आयोगों के अधिकार) द्वारा जारी किए गए आदेशों और अधिसूचनाएँ
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union
Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1995

भा.आ. 7.—संश्लेष प्रतिलिखित अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग, विस्तार सरकार के पत्राचार से श्री बांकर प्रसाद के त्याग पर श्री आर.जे.एस. मिस्टर, प्रसंगीय मामलों, दक्षिण क्षेत्रीय नामपुर, खोसी को उसके कार्यभार संभालने की तारीख से, भारतीय आदेशों तक के लिए, विस्तार राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में नामित करता है।

2. श्री आर.जे.एस. मिस्टर ऐसे पदभार ग्रहण करते के पूर्व विस्तार सरकार के अधीन समीपस्थ या निस्तीकारों के पत्राचारों को तत्काल धारण करता बन्द कर देंगे या सौंप देंगे। निस्ती आदेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. श्री आर.जे.एस. मिस्टर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, विस्तार के रूप में काम करते हुए विस्तार सरकार के अधीन कोई भी प्रतिनिधित्व कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, सिवाय इसके कि उन्हें राज्य सभित्तम में निर्वाचन आयोग के अधीन सिमाग के प्रभारी सरकार के संवि

के रूप में परामर्शित किया जाएगा जैसा कि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित है।

4. यदि श्री मिस्टर को आयोग की लिखित पूर्वानुमति लिए बिना कोई प्रतिनिधित्व कार्यभार सौंपा जा ग्रहण कार्यवाही जाता है तो वह उस आदेश के अनुसार ऐसा प्रतिनिधित्व कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निर्वाचन अधिकारी विस्तार के पत्राचार से हटा दिए गए तक की जाएगी और जलन से कोई आदेश जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसके पश्चात् मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनके द्वारा की गई सभी या कोई भी कार्यवाई अप्रामाण्य और नास्तिक मान्य होगी तथा के रूप में अनुशासनात्मक कार्यवाई किए जाने के भागी होंगे।

[सं. 154/विस्तार/95]
आदेश से,
के.पी.जी. कुट्टी, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 21st January, 1995

ORDN. 7.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the

Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Bihar hereby nominates Shri R. J. M. Pillai, Divisional Commissioner, South Chhotnagpur, Ranchi as Chief Electoral Officer for the State of Bihar with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri Shankar Prasad.

2. Shri R. J. M. Pillai shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work, under the Government of Bihar which he may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Shri Pillai while functioning as the Chief Electoral Officer, Bihar shall not be ordered to hold any additional charge whatsoever under the Government of Bihar, except that he should be designated Secretary to the Government incharge of the Department dealing with elections under the Election Commission in the State Secretariat as decided by the State Government.

4. If Shri Pillai is entrusted with or is made to hold any additional charge of any kind whatsoever, without the prior written approval of the Commission, he shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, Bihar from the date of assumption of such additional charge as per this order and no separate orders will, or need to issue. All and any action taken by him thereafter in the so called discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and non-est and null and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No. 154/BR/95]

By order,
K. P. G. KUTTY, Secy.